

मसाधारए

EXTRAORDINARY

भाग]--खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 114]

नई विल्ली, शुक्रवार, जुलाई 25, 1969/श्रावरा 3, 1891

No. 114

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 25, 1969/SRAVANA 3, 1891

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रुका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development) RESOLUTION

New Delhi, the 16th July 1969

No. LEI(A)-16(2)/68.—The Tariff Commission has submitted its Report on the price structure of catguts on the basis of an enquiry undertaken by it under Section 12(d) of the Tariff Commission Act, 1951. Its recommendations are as follows:—

- (i) The domestic demand for catguts is of the order of 250,000 dozen for the current year (1968) going up at the rate of about 16,000 dozen annually and reaching the level of 300,000 dozen in the year 1971.
- (ii) It would be desirable for the manufaturers to introduce as early as possible the irradiation method of steri'isation of catguts.
- (iii) Tests regarding absorbability, tensile strength, uniformity of gauge and other similar specifications of undisputed therapeutic importance may be included in the Indian Pharmacopia.
- (iv) Needled sutures may be excluded from price control for some time in order to provide a certain degree of freedom for the development of this infant branch of the industry
- (v) The price recommended for plain and chromic sutures for 1969 and 1970 is Rs. 27 25 for destination per dozen tubes,

- 2. Government have taken note of recommendation (i) which is an observation made by the Commission and accept recommendations (ii), (iii) & (v) and suitable action will be taken to implement them to the extent practicable.
- 3. The recommendation (iv) was further examined in consultation with the Tariff Commission who have since expressed that they have no objection to keep control on prices of Needled sutures provided the objective underlying their recommendation for decontrol is kept in view. Government accept the Commission's recommendation of prices of different codes of Needled sutures which are indicated below and have taken note of their observation for development of this branch of industry for appropriate action.

S. No.	Codes	F.O.R.	destination price per dozen Rs./Doz.
1,	Straight & Curved Needles—'A' Pack: (a) M.400, M.404, M.405, M.407, M.408 M.409, M.410, M.412, M.413, G.102		34.41
	(b) M.416, M.417, G.113 G.114		34.41
2.	Curved Needles—'B' Pack: (a) M.420, M.421, M.423, M.424, M.425, (b) M.441, M.442, G.123, G.124	M. 4 26	36.26 36.26
3.	Half Circle Needles—'C' Pack: M.445, M.446, M.449, M.450, 863, 864		37.84
4.	Half Circle Needles—'A' Pack: M.437		50.60
5.	Half Circl Needles—'B' Pack: M. 438		51.46
6.	Curyed and Half Circle Needles—'A' 1 (a) M.470 (b) M.471	Pack:	56.01 56.01
7.	Curved Needles'A' Pack: (a) M.510 (b) M.520		55.40 55.40

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India.

D. R. SUNDARAM, Jt. Secv.

भ्रोद्योगिक विकास, भ्राग्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग)

संकलप

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1969

सं ० एल ० ई ० झाई ० (ए) 16(2)/68. — प्रशुस्क आयोग ने प्रशुस्क आयोग अधिनियम 1951 की धारा 12व के अन्तर्गत कराई गई जांच के आधार पर तांतों के मूल्य ढांचे पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी हैं। इसकी सिफारिगें निम्नलिखित हैं:—

(i) तांनों की देशी मांग चालू वर्ष (1968) में 250,000 दर्जन के मुकाबिले लगभग 16,000 दर्जन वार्षिक तक श्रीर बढ़ गई है श्रीर जिसके 1971 तक 300,000 दर्जन तक पहुंच जाने की भाशा है।

- (ii) तांनों के भ्रन् वरीकरण की किरणीयन विधि को यथाशी झव्यापक करना निर्माताओं के लिए वांछनीय होगा ।
- (iii) भ्रवशोषणीयता, तनाव क्षमता, मापक एक चपता सम्बन्धी परीक्षण तथा इस प्रकार के भ्रन्य चिकित्सा विषयक परीक्षणों को भारतीय भेषजीय सूची पत्न में शामिल किया जाए ।
 - (iv) धाव पर टांका लगाने हेतु सूचर पर से नियंत्रण कुछ समय तक के लिए हटा लिया जाना चाहिए जिससे कि इस उद्योग प्रारम्भिक भ्रवस्था में बुछ हद तक विक-सित करने में स्वलबता दी जा सके।
 - (V) 1969-70 के लिए सादे तथा क्रोमिक सूचरों के प्रति दर्जन ट्यूबों का निर्दिष्ट स्थान पर गाड़ी भाड़ा मुक्त मूल्य 27.25 रु० है।
- 2. सरकार ने सिफारिण पर ध्यान दिया है (1) यह श्रायोग द्वारा किया गण श्रवलोकन है श्रीर इसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है (2) (3) श्रीर (4) सिफारिणे स्वीकार कर ली गई हैं वहां व्यावहारिक होगा उन्हें लागू करने के लिए उचित कार्यवाही की जायगी।
- 3. प्रशुक्त भायोग के परामर्श से सिफारिश (4) पर फिर से विचार किया गया उन का यह कथन है कि घावों पर टांका लगाने वाले सूचरों के मूल्यों पर नियलण रखे जाने के बारे में उन्हें कोई भ्रापत्ति नहीं है बशर्ते कि नियंलण हटाने के लिए की गई उनकी सिफारिश के लक्ष्य को ध्यान में रखा जाए। सरकार, वावों पर टांका लगाने वाले विभिन्न वर्गों के सूबों के बारे में श्रायोग द्वारा की गई सिफारिश को स्वीकार कर लिया है और इस उद्योग का विकास करने हेतु उचित कार्यवाई करने के लिए उनकी आपत्ति पर ध्यान दे रही है।

ऋ०सं०	वर्ग	प्रति दर्जन एफ० ग्रो० म्रार० निद्घ्ट मूल्य
		रु० / दर्ज न
1. सीधीत थाटेढी सु	इयां	·
	′ए" मैक	
क)	एम 400 एम 404, एस० 405, एस० 407, एर	म०
4	108, एम 409, एम० 410, एम० 412, एम० 4	113
	बी॰ 102	. 34.41
(ख) एम	न्य 416, एम० 417, जी० 113, जी० 114	34.41
2. टेढ़ी सुइयां	बी ०पैक	
(क) एम	· 420, एम० 421, एम० 423, एम० 424, एम	10
• •	25, एम॰ 426	. 36,26
(ख) एक	न ० 441, एम० 442, जी० 123, जी० 12 4	. 36,26

ह० सं ०			वर्ग					दर्जन एफ० भ र० नि दि ग्ट मूल्य
.—— 3. मर्ध	- — वर्नाकार	 सुइयां–"र	 भी"पैक		_			
एस	°0 445, 1	एम० 44	6, एम०	449, एम०	450,	863, 864		37.84
4. ग्रर्थ	ज्ञर्घवर्ताकार सु≰यां–"ए०" पैक							
ųτ	o 437			•				50.60
5. ग्रर्ध	मर्धवर्ताकार सुइयां–'बी' पैक							
ए	o 438			•			•	41.46
6. टेढ़ी	टेढ़ी तथा श्रर्धवृर्ताकार सुइयां–'ए' पैक							
(ৰ	5) एम०	470		•			•	56.01
(₹	ा) एम०	471	•	•	-			56.01
7. टे ढ़ी	टेढ़ी सुइयां–'ए' पैक							
(ब) एम॰	510						55.40
•	r) एम०					•		55.40

भावेश

भादेश दिया गया कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए तथा इसे भारत के राजपक्ष में प्रकाशित किया जाए।

> डी० ग्रार० सुन्दरम, संयुक्त सम्बित्र ।